

## मीडिया विज्ञप्ति

माननीय केंद्रीय मंत्री, पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग श्री सर्बानंद सोनोवाल ने जेएनपीए का दौरा किया; प्रमुख दीर्घकालिक परियोजनाओं का उद्घाटन किया और जेएनपीए एसईजेड में चरण-7 की हाल ही में आयोजित ई-नीलामी के लिए आशय पत्र (एलओआई) जारी किया।

मुंबई, 22 अगस्त, 2024 : माननीय केंद्रीय मंत्री, पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग श्री सर्बानंद सोनोवाल ने गुरुवार, 22 अगस्त, 2024 को भारत के सबसे अच्छे प्रदर्शन वाले पत्तन, जवाहरलाल नेहरू पत्तन प्राधिकरण (जेएनपीए) का दौरा किया। उन्होंने जेएन पत्तन के आसपास तीन झीलों का सौंदर्यीकरण और कायाकल्प परियोजनाओं का उद्घाटन किया। उन्होंने बंदरगाह पर विभिन्न बुनियादी ढाँचे और विकासशील परियोजनाओं की भी समीक्षा की।

पत्तन पहुँचने पर श्री उन्मेश शरद वाघ, आईआरएस, अध्यक्ष, जेएनपीए ने केंद्रीय मंत्री, पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग श्री सर्बानंद सोनोवाल का स्वागत किया। यह दौरा भारत के समुद्री बुनियादी ढाँचे को आगे बढ़ाने और 'विकसित भारत' की भविष्य दृष्टि के तहत देश के विकास में योगदान देने के जेएनपीएके चल रहे प्रयासों में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है।

पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति जेएनपीए की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालते हुए, मंत्रीजी ने क्षेत्र में पारिस्थितिक संतुलन को बढ़ाने के उद्देश्य से तीन महत्वपूर्ण जलाशयों का उद्घाटन किया। इनमें प्रशासन भवन की फुटहिल झील और सीपीपी झील शामिल हैं, जो रणनीतिक रूप से पत्तन के आसपास स्थित हैं, जो वर्षा जल संचयन और आवास बहाली के लिए महत्वपूर्ण जलाशयों के रूप में कार्य करती हैं। जसखार झील का भूमिपूजन भी उनके द्वारा किया गया। इन झीलों का नाम महाराष्ट्र के महान संत ज्ञानेश्वर महाराज, संत एकनाथ महाराज और संत नामदेव महाराज के नाम पर रखा गया है।

दौरे के दौरान, उन्होंने स्मार्ट एसईजेड परियोजना का भूमिपूजन भी किया। इस परियोजना के उद्देश्यों में परिधि घुसपैठ को रोकना, अनुशासित वाहन गतिविधि सुनिश्चित करना, गेट संचालन को सुव्यवस्थित करना, सभी कर्मियों और वाहनों के आने-जाने के समय पर नज़र रखना और लैन (LAN) उपयोगकर्ताओं के लिए सभी उपयोगिता भवनों में नेटवर्क संयोजन (कनेक्टिविटी) का विस्तार

करना शामिल है। इसके अतिरिक्त, परियोजना का लक्ष्य भविष्य के अनुप्रयोगों जैसे ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली, स्मार्ट जल प्रबंधन, स्मार्ट स्ट्रीट लाइटिंग, स्मार्ट पार्किंग और वजन सेतु (वेटब्रिज) के लिए आवश्यक बुनियादी ढाँचा प्रदान करना है। उन्होंने जेएनपीएएसईजेड में 'एक पेड़ माँके नाम' पहल के तहत एक पौधा लगाया।

जेएनपीए की अपनी यात्रा के दौरान, श्री सर्बानंद सोनोवाल ने एसईजेड आबंटियों को आशय पत्र (एलओआई) जारी किया। जेएनपीए ने 7 चरणों में भूखंड आबंटित किए हैं। 57 एकड़ के लिए 7वें चरण की हालिया ई-नीलामी में उल्लेखनीय प्रतिक्रिया देखी गई, जिसमें 21 बोलीदाताओं ने 6 यूनिट भूखंडों (प्लॉट्स) और 3 सह-विकास भूखंडों (को-डेवलपर प्लॉट्स) के लिए बोलियाँ जमा की। यह ध्यान देने योग्य है कि उक्त भूखंडों के उद्धृत मूल्य में आरक्षित मूल्य से ऊपर कुल मिलाकर 95.23% की वृद्धि हुई, जिसके परिणामस्वरूप जेएनपीए के लिए आरक्षित मूल्य से 63% अधिक राजस्व वृद्धि हुई। 2023-2024 के पिछले वित्तीय वर्ष में, विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ) 15,000 करोड़ रुपये का आयात-निर्यात (EXIM) व्यापार उत्पन्न करने में सक्षम था, जिसमें 8049 टी इ यू (TEU) भी शामिल थे तथा साल-दर-साल 300% की वृद्धि देखी गई।

रणनीतिक प्रतिबद्धताओं के हिस्से के रूप में, जेएनपीए ने एलबी3/एलबी4 के आबंटियों को रियायत देने की तारीख जारी की। जेएनपीए ने अतिरिक्त द्रव कार्गो घाट (एएलसीबी), विशेष रूप से द्रव घाट (लिक्विड बर्थ) -3 और द्रव घाट (लिक्विड बर्थ)-4 की शुरुआत के साथ अपनी द्रव माल (लिक्विड कार्गो) हैंडलिंग क्षमता के सफल विस्तार की घोषणा की। इन घाटों (बर्थों) को सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के माध्यम से सुसज्जित, संचालित, रखरखाव और अंततः स्थानांतरित किया जाएगा। आशय पत्र 19 फरवरी, 2024 को मैसर्स जेएसडब्ल्यू इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड को प्रदान किया गया था, और रियायत करार पर 8 अप्रैल, 2024 को हस्ताक्षर किए गए थे। माननीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री की उपस्थिति में, रियायत दिये जाने की तारीख, अब आधिकारिक तौर पर 22 अगस्त, 2024 घोषित की गई है। वर्तमान में, जेएनपीए अपने मौजूदा लिक्विड बर्थ-1 और लिक्विड बर्थ-2 के माध्यम से लगभग 6.5 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष (एमएमटीपीए) द्रव माल (लिक्विड कार्गो) को संभालता है। अतिरिक्त लिक्विड कार्गो बर्थ एलबी3

और एलबी4 के पूरा होने के साथ, जेएनपीए की कुल लिक्विड कार्गो हैंडलिंग क्षमता बढ़कर 11 एमएमटीपीए हो जाएगी।

दो महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर: एक जे एन पी ए, वाढ़वण पत्तन और आर ई सी के बीच, विभिन्न बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं के विकास हेतु ऋण वितरण के लिए और दूसरा जलयानों के लिए तटीय बिजली आपूर्ति कार्यान्वयन के लिए गेटवे टर्मिनल्स इंडिया (जीटीआई) और जेएनपीए के बीच, जो मंत्री जी की गरिमामयी उपस्थिति में दीर्घ कालिक पत्तन संचालन के लिए जेएनपीए के समर्पण को रेखांकित करता है।

स्थानीय समुदाय को और अधिक सशक्त बनाने और कार्यबल विकास को बढ़ाने के लिए, श्री सर्बानंद सोनोवाल ने जेएनपीए द्वारा विकसित वाढ़वण कौशल विकास कार्यक्रम (स्किलिंग प्रोग्राम) का व्हाट्सएप चैटबॉट लॉन्च किया। यह सुविधा कौशल कार्यक्रमों तक पहुँच की सुविधा प्रदान करने, वाढ़वण पत्तन के बारे में जानकारी प्रदान करने और जेएनपीए पर भ्रमण करने की प्रक्रिया के माध्यम से उपयोगकर्ताओं का मार्गदर्शन करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस चैटबोट का प्राथमिक लक्ष्य मूल्यवान डेटा इकट्ठा करना और यह सुनिश्चित करना है कि वाढ़वण के युवाओं को लक्षित प्रशिक्षण प्राप्त हो जो वाढ़वण पत्तन परियोजना के विकास से उत्पन्न रोजगार के अवसरों के अनुरूप हो। वाढ़वण पत्तन परियोजना को हाल ही में केंद्रीय कैबिनेट द्वारा मंजूरी दी गई है और इससे लगभग 10 लाख रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है, जिसमें जेएनपीए संबंधित संगठनों के सहयोग से व्यापक कौशल विकास कार्यक्रम प्रस्तुत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। जेएनपीए निर्बाध व्यापार की सुविधा प्रदान करके और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में अपनी भूमिका को मजबूत करके देश की आर्थिक वृद्धि को आगे बढ़ाने के लिए समर्पित है।

जेएनपीए के बारे में:

जवाहरलाल नेहरू पत्तन प्राधिकरण (जेएनपीए) भारत के प्रमुख कंटेनर-हैंडलिंग पत्तनों में से एक है। 26 मई, 1989 को अपनी स्थापना के बाद से, जेएनपीए एक बल्क कार्गो टर्मिनल से देश के प्रमुख कंटेनर पत्तन में बदल गया है।

वर्तमान में, जेएनपीए पाँच कंटेनर टर्मिनलों- एनएसएफटी, एनएसआईसीटी, एनएसआईजीटी, बीएमसीटी और एपीएमटी का संचालन करता है। पत्तन में सामान्य कार्गो के लिए उथले पानी का घाट भी है। जेएनपीए पत्तन पर मौजूद लिक्विड कार्गो टर्मिनल का प्रबंधन बीपीसीएल-आईओसीएल संघ द्वारा किया जाता है। इसके अतिरिक्त, नवनिर्मित तटीय बर्थ अन्य भारतीय पत्तनों को जोड़ता है और तटीय कंटेनरों के यातायात को बढ़ाने की सुविधा प्रदान करता है।

277 हेक्टेयर भूमि पर स्थित, जेएनपीए भारत में निर्यात-उन्मुख उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए अत्याधुनिक बुनियादी ढाँचे के साथ विशिष्टतापूर्वक डिजाइन किए गए बहु-उत्पादी विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) का भी संचालन करता है।

जेएनपीए महाराष्ट्र के वाढ़वण में हर मौसम के लिए उपयुक्त, डीप-ड्राफ्ट, ग्रीनफील्ड पत्तन भी विकसित कर रहा है। यह वैश्विक स्तर पर शीर्ष 10 पत्तनों में से एक होने की ओर अग्रसर है और अपनी स्थापना के बाद से ही यह 100% हरित पत्तन होगा।

मीडिया पूछताछ के लिए कृपया संपर्क करें:

जेएनपीए:

अंबिका सिंह

वरिष्ठ प्रबंधक (विपणन), जेएनपीए

Mo. : +919920372677

E-mail: [ambikasingh@jnport.gov.in](mailto:ambikasingh@jnport.gov.in)

## **Shri Sarbananda Sonowal, Hon'ble Union Minister of Ports, Shipping and Waterways, visits JNPA; Inaugurates Key Sustainability Projects and Issued Lol for recently Conducted E-Auction of phase 7 at JNPA SEZ**

**Mumbai, August 22, 2024:** Shri Sarbanand Sonwal, Hon'ble Union Minister of Ports, Shipping, and Waterways, visited Jawaharlal Nehru Port Authority (JNPA), India's best-performing Port, on Thursday, August 22, 2024, to inaugurate three lake beautification and rejuvenation projects in the JN Port vicinity. He also reviewed various infrastructure and developmental projects at the Port.

On arrival at the Port Shri Unmesh Sharad Wagh, IRS, Chairman, JNPA welcomed Union Minister, MoPSW, Shri Sarbananda Sonowal. The visit marked a significant moment in JNPA's ongoing efforts to advance India's maritime infrastructure and contribute to the nation's growth under the 'Viksit Bharat' vision.

Highlighting JNPA's commitment to environmental sustainability, the Minister inaugurated three significant water bodies aimed at enhancing the ecological balance in the region. These include the Admin Building Foothill Lake and the CPP Lake, both of which are strategically located within the port vicinity, serving as vital reservoirs for rainwater harvesting and habitat restoration. He also performed the groundbreaking ceremony of the Jashkar Lake. These lakes are named after the great saints of Maharashtra Saint Dyaneshwar Maharaj, Saint Eknath Maharaj and Saint Namdeo Maharaj.

During the visit, he also performed the groundbreaking ceremony for the Smart SEZ project. The objectives of this project include preventing perimeter intrusions, ensuring disciplined vehicle movement, streamlining gate operations, tracking the in-and-out time punches of all personnel and vehicles, and extending network connectivity to all utility buildings for LAN users. Additionally, the project aims to provide the necessary infrastructure for future applications such as an Energy Management System, Smart Water Management, Smart

Street Lighting, Smart Parking, and Weighbridges. He planted a sapling under the Ek Ped Maa Ke Naam initiative at JNPA SEZ.

During his visit to JNPA, Shri Sarbananda Sonowal, issued LoI to SEZ concessionaires. JNPA has allotted plots in 7 phases. The recent e-auction of phase 7 for 57 Acres saw a remarkable response, with 21 bidders submitting bids for 6 unit plots and 3 co-developer plots. Notably, there was an overall 95.23% increase in quoted value for the said plots above the reserve price, resulting in a revenue increase of 63% above the reserve price for JNPA. In the last financial year of 2023-2024, SEZ was able to generate EXIM trade of Rs 15000 Crores, including 8049 TEUs witnessing a year-on-year growth of 300%.

As part of the strategic engagements, JNPA issued the date of award of concession to the concessionaire of Liquid Berth 3/ Liquid Berth 4 (LB3/LB4). JNPA announced the successful expansion of its liquid cargo handling capacity with the introduction of Additional Liquid Cargo Berths (ALCB), specifically Liquid Berth-3 and Liquid Berth-4. These berths will be equipped, operated, maintained, and eventually transferred through a Public-Private Partnership (PPP) model. The Letter of Intent was awarded to M/s JSW Infrastructure Limited on February 19, 2024, and the Concession Agreement was signed on April 8, 2024. The Date of Award of Concession has now been officially declared on August 22, 2024, in the presence of the Hon'ble Minister for Ports, Shipping and Waterways. Currently, JNPA handles approximately 6.5 Million Metric Tonnes Per Annum (MMTPA) of liquid cargo through its existing Liquid Berth-1 and Liquid Berth-2. With the completion of the Additional Liquid Cargo Berths LB3 and LB4, JNPA's total liquid cargo handling capacity will increase to 11 MMTPA.

The signing of two crucial Memorandums of Understanding (MoUs): one between JNPA, Vadhvan Port, and REC for the disbursement of loans to support various infrastructure projects, and another between Gateway Terminals India (GTI) and JNPA for the implementation of shore power supply for vessels, which underscores JNPA's dedication to sustainable port operations took place in the august presence of the minister.

In a move to further empower the local community and enhance workforce development, Shri Sarbananda Sonowal launched the Vadhvan Skilling Program's Whatsapp ChatBot developed by JNPA. This tool is designed to facilitate access to skilling programs, provide information about Vadhvan Port, and guide users through the process of visiting JNPort. The primary goal of this chatbot is to gather valuable data and ensure that the youth of Vadhvan receive targeted training that aligns with the employment opportunities generated by the development of the Vadhvan Port project. The Vadhvan Port project, recently approved by the central cabinet, is expected to create approximately 10 lakh employment opportunities, with JNPA playing a pivotal role in offering comprehensive skilling programs in collaboration with relevant organizations.

JNPA is dedicated to advancing the nation's economic growth by facilitating seamless trade and strengthening its role in global supply chains.

#### **About JNPA:**

The Jawaharlal Nehru Port Authority (JNPA) is one of the premier container-handling ports in India. Since its inception on May 26, 1989, JNPA has transformed from a bulk cargo terminal into the premier container port in the country.

Currently, JNPA operates five container terminals - NSFT, NSICT, NSIGT, BMCT and APMT. The Port also has a Shallow Water Berth for general cargo. A Liquid Cargo Terminal present at the JNPA Port is managed by the BPCL-IOCL consortium. Additionally, the newly constructed coastal berth links other Indian ports and facilitates enhancing the traffic of coastal containers.

Nestled across 277 hectares of land, JNPA also operates a meticulously designed multi-product SEZ, with state-of-the-art infrastructure, to boost export-oriented industries in India.

JNPA is also developing an all-weather, deep-draft, greenfield port at Vadhvan, in Maharashtra. It is poised to be among the top 10 ports globally and will be 100% green port since its inception.

#### **For media enquiries, please contact:**

JNPA:

Ambika Singh

Sr. Manager (Marketing), JNPA

Mob: +919920372677

E-mail: [ambikasingh@jnport.gov.in](mailto:ambikasingh@jnport.gov.in)